संस्कृत शिक्षा विभाग में सहायक कुल सचिव (मुख्य) परीक्षा – 2015

No. of Printed Pages : 4

ARS 01

2015

सामान्य हिन्दी

प्रश्न-पत्र – I

GENERAL HINDI

Paper – I

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

Time Allowed : 3 Hours] *[Maximum Marks : 200*

नोट : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके दाहिनी ओर अंकित हैं ।

(iii) उत्तर-पुस्तिका के अन्दर कहीं भी अपना नाम या अनुक्रमांक न लिखें । पत्रादि के अन्त में क, ख, ग लिख सकते हैं ।

(iv) एक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर अनिवार्यत: एक साथ दिया जाय ।

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **400** शब्दों का निबन्ध लिखिए : **40**

   (क) भारत की विदेश नीति: बदलते आयाम

   (ख) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

   (ग) भारत में महिला सशक्तिकरण

   (घ) भ्रष्टाचार और काले धन की समस्या

   (ङ) भारत में संचार क्रांति

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा गद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   संसार भर की प्रमुख और प्रभावी बहसें आज वैश्वीकरण और बाज़ारवाद के इर्द-गिर्द हैं । कारण यह है कि आज यह सर्वव्यापी और सर्वसमावेशी परिघटना बन चुकी है । व्यापार, राजनीति, संस्कृति, शिक्षा आदि कई क्षेत्रों में इसकी सशक्त उपस्थिति को महसूस किया जा रहा है । जीवन के विविध क्षेत्रों में इसकी धमक और उपस्थिति देखी जा सकती है । वैसे आरंभिक दिनों में वैश्वीकरण की सशक्त भौतिक उपस्थिति इसके इलेक्ट्रॉनिक अभिकरणों के आविष्कार एवं इसके व्यापक पैमाने पर उत्पादन एवं जन-प्रसार से संभव हुई । इसका बड़ा बाज़ार बना । विश्व बाज़ार में फैला और बाज़ारवाद की अवधारणा आकार लेने लगी । आगे चलकर इसी क्रम में विश्वमंडी और विश्वगाँव के उद्‌घोष, होने लगे । लेकिन इन्हीं उद्‌घोषणाओं में एक स्वर इक्कीसवीं सदी को अमेरिकी सदी बनाने की भी थी ।

यह सही है कि वैश्वीकरण की शुरुआत इलेक्ट्रॉनिक तकनीक के प्रसार तथा उसके द्वारा लाई गई उपभोक्ता वस्तुओं के बाज़ार में छा जाने से हुई। साम्यवादी किस्म की राज्य और अर्थ-व्यवस्थाओं के अवसान से भी यह प्रक्रिया और तीव्र हुई। इससे पूँजी निवेश और उपभोक्ता वस्तुओं का स्वतंत्र वैश्विक गमनागमन संभव हुआ। लेकिन ध्यान देने की बात है कि वैश्वीकरण सिर्फ़ बाज़ार, संचार क्रांति और इलेक्ट्रॉनिक क्रांति भर नहीं है। इसका विचारात्मक पक्ष भी है। इसी कारण वैश्वीकरण की प्रक्रिया में वर्चस्व और दमन का सामाजिक-आर्थिक संदर्भ भी बहुत स्पष्ट है। इसमें वैश्विक स्तर पर संयुक्त राज्य अमेरिका का वर्चस्व बहुत साफ देखा जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक इसके अस्त्र हैं। इनकी अगुवाई में इस किस्म की विश्व-व्यवस्था आकार ग्रहण कर रही है। लेकिन एक विशेष बात गौर करने लायक है, वह यह कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया अपने लक्षित समूह की वैश्विक स्तर पर प्रत्यभिज्ञान करती है। वह अपने ढंग से लाभों का वितरण करती है। इस प्रकार एक भेदभावपूर्ण विश्व-व्यवस्था बन जाती है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। **5**

(ख) मूल गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। **20**

(ग) उपर्युक्त गद्यांश के रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए। **15**

3. (क) शासकीय और अर्द्धशासकीय पत्रों का अन्तर उदाहरण सहित समझाइए। **15**

(ख) निविदा अथवा परिपत्र में से किसी एक की परिभाषा और प्रारूप दीजिए तथा उससे सम्बन्धित विभिन्न अनिवार्यताओं का उल्लेख भी कीजिए। **15**

4. (क) किन्हीं **पाँच** शब्दों के **चार-चार** पर्यायवाची शब्द लिखिए : **10**

1.	अरण्य	5.	अभिलाषा
2.	कामदेव	6.	धर्मराज
3.	दामिनी	7.	मदिरा
4.	विष	8.	कृष्ण

(ख) किन्हीं **पाँच** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : **5**

1.	अन्तर्द्वन्द्व	5.	स्थावर
2.	दुराचार	6.	सविकल्प
3.	औपचारिक	7.	सार्वजनिक
4.	उत्कृष्ट	8.	तामसिक

(ग) किन्हीं **पाँच** शब्दों में से प्रत्येक में समास का नाम लिखिए : **5**

1.	मतदाता	5.	पाप-पुण्य
2.	महाकवि	6.	चौमासा
3.	आजीवन	7.	स्वर्गप्राप्ति
4.	पीताम्बर (पीत हैं अम्बर जिसके)	8.	पंचवटी

5. (क) किन्हीं **पाँच** वाक्यांशों का चयन करते हुए प्रत्येक के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए : **5**

(1) स्त्री द्वारा शासित अथवा जो स्त्री के वशीभूत हो।

(2) वह स्थान जहाँ सर्दी-गर्मी को नियंत्रित किया जाता है।

(3) कुश्ती लड़ने या कसरत करने का स्थान।

(4) जिसमें किसी प्रकार का संशय न हो।

(5) जो कठिनता से सिद्ध किया जा सके।

(6) किसी महापुरुष की मूर्ति या चित्र को अनावृत करने का कार्य या तत्सम्बन्धी सार्वजनिक समारोह।

(7) उदरस्थित अग्नि जो आयुर्वेद के मत से आहार को पचाने का काम करती है।

(8) विदेशों से बड़ी मात्रा में माल मँगाने वाला व्यवसायी।

(ख) किन्हीं **पाँच** मुहावरों एवं लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्य-प्रयोग कीजिए : **15**

(1) आधा तीतर आधा बटेर

(2) दाल में काला होना

(3) दाल-भात में मूसलचन्द

(4) चूहे का जाया बिल ही खोदता है

(5) आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपास

(6) खेत खाएं गदहा, मारे जाएं जुलहा

(7) अरहर की टट्टी, गुजराती ताला

(8) बड़ों के कान होते हैं आँख नहीं

6. निम्नलिखित गद्यांश का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : **25**

एक दिन एक खरगोश ने कछुए के छोटे पैर और उसकी गति का मजाक उड़ाया, इस पर कछुए ने हँसते हुए उत्तर दिया – "हालाँकि तुम्हारी गति हवा की तरह है, परन्तु मैं तुम्हें एक दौड़ में हरा दूँगा।" खरगोश ने उसके कहे हुए कथन पर विश्वास न करते हुए, इस प्रस्ताव को अनुमति दी जो कि उसे असंभव लग रहा था। वे दोनों सहमत हो गए कि लोमड़ी उनका रास्ता चुने और लक्ष्य तय कर दे, दौड़ के लिए निश्चित किए गए दिन पर दोनों ने दौड़ की शुरुआत की। कछुआ एक पल के लिए भी नहीं रुका, और अपनी धीमी चाल किन्तु नियमित गति के साथ सीधे रास्ते के अंत तक गया। खरगोश, जो रास्ते में लेट गया था, गहरी नींद में सो गया। अंत में जब वह जागा तो जितना तेज दौड़ सकता था दौड़ा, उसने देखा कि कछुआ लक्ष्य तक पहुँच चुका है और थकान के बाद वह आराम से हल्दी नींद ले रहा था। धीमी और नियमित गति से चलने वाले दौड़ जीतते हैं।

7. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 25

Once upon a time there was a King and Queen who for a very long time had no children, and when at length a little daughter was born to them, they were so pleased that they gave a christening feast to which they invited a number of fairies. But, unfortunately, they left out one rather cross old fairy, and she was so angry that she said the princess should die when she reached the age of sixteen, by pricking her hand with a spindle.

All the other fairies present, except one, had already given the princess their beautiful gifts, and this last one said she could not prevent part of the wicked wish coming true; but her gift should be that the princess should not really die, but only fall into a deep sleep, which should last for a hundred years, and at the end of that time she should be awakened by a King's son.

It all happened as the fairies had predicted. When the princess was sixteen years old she saw an old woman spinning and took the spindle from her to try this strange new work. Instantly she pricked her hand and fell into a deep sleep, as did everyone else in the palace.